जावेद अख्तर कार्यक्रम के रद्द होने से बंगाल में विवाद शुरू

स्रोत - द हिंदू (TH)

मूल मुद्दा पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी द्वारा एक राज्य-प्रायोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम (जावेद अख्तर के साथ) का रद्द किया जाना है, जिसपर आरोप है कि यह धार्मिक समूहों के दबाव में किया गया। यह घटना एक गंभीर तनाव को उजागर करती है:

1. **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता:** नागरिक अधिकार समूहों (जैसे एपीडीआर) का आरोप है कि राज्य सरकार ने कट्टरपंथी ताकतों की मांगों के आगे घुटने टेककर धर्मनिरपेक्षता और स्वतंत्र भाषण को बनाए रखने के अपने संवैधानिक कर्तव्य को धोखा दिया है। वे इसे चुनावों से पहले मतदाताओं के एक विशिष्ट वर्ग को खुश करने के लिए एक राजनीतिक रूप से प्रेरित कदम के रूप में देखते हैं।
2. **सांप्रदायिक सद्भाव और भावनाएं:** विरोधी समूह (जैसे जमीयत उलेमा-ए-हिंद) का तर्क है कि संभावित सांप्रदायिक असंतुलन को रोकने के लिए रद्द करना आवश्यक था, उनका दावा है कि वक्ता का धार्मिक भावनाओं का अपमान करने वाले टिप्पणियों करने का इतिहास रहा है।

इस प्रकार, कार्यक्रम का स्थगन केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि वैचारिक सिद्धांतों को व्यावहारिक राजनीतिक और सामाजिक विचारों के साथ संतुलित करने की राज्य की दुविधा का प्रतीक है।

सामाजिक विश्लेषण

1. **मुख्य सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य (विचारक)**
    - **दुर्खीम (सामूहिक चेतना):** धर्म नैतिक गोंद के रूप में कार्य करता है; मतभेदी आवाज़ों को एकजुटता के लिए खतरा माना जाता है।
    - **वेबर (प्राधिकरण):** तर्कसंगत-कानूनी (राज्य/नागरिक अधिकार) और पारंपरिक प्राधिकरण (धार्मिक नेतृत्व) के बीच संघर्ष।
    - **पार्सन्स (कार्यवाद):** राज्य की प्राथमिकता = संतुलन → अधिकारों की सुरक्षा से अधिक अव्यवस्था की रोकथाम।
    - **संघर्ष सिद्धांत (मार्क्स):** सत्ता संघर्ष और चुनावी हितों द्वारा गठित राज्य कार्य।
    - **प्रतीकात्मक अंत:क्रियावाद:** घटना प्रतीकात्मक बन जाती है—
        - नागरिक समूहों के लिए: धर्मनिरपेक्षता का क्षरण।
        - धार्मिक समूहों के लिए: सम्मान की रक्षा।

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS - OUR COMMITMENT"

- **सार्वजनिक क्षेत्र (हबरमास):** आदर्श रूप से बहस की एक जगह, लेकिन यहाँ सांप्रदायिक राजनीति द्वारा संक्षिप्त।

2. **राजनीति और समाज**
    - **राष्ट्र, लोकतंत्र और नागरिकता:** अधिकार (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) बनाम कर्तव्य (सार्वजनिक व्यवस्था) के बीच नागरिकता का तनाव।
    - **राजनीतिक दल:** टीएमसी का निर्णय वोट-बैंक राजनीति को दर्शाता है—चुनावी लोकतंत्र में विचारधारा और व्यावहारिकता को संतुलित करना।
    - **सामाजिक आंदोलन:**
        - एपीडीआर (अधिकार-आधारित): धर्मनिरपेक्ष, संवैधानिक मूल्यों के लिए दबाव डालता है।
        - जमीयत उलेमा-ए-हिंद (पहचान-आधारित): विश्वास और सामूहिक सम्मान की रक्षा करता है।
    - दर्शाता है कि आंदोलन राज्य पर दबाव कैसे डालते हैं, नीति को आकार देते हैं।
3. **धर्म और समाज**
    - **धर्मनिरपेक्षीकरण थीसिस को चुनौती:** धर्म के पीछे हटने के बजाय, धार्मिक समूह सक्रिय रूप से सार्वजनिक प्रवचन और राज्य नीति को आकार देते हैं।
    - **धार्मिक कट्टरपंथ:** जावेद अख्तर का विरोध पवित्र मूल्यों की रक्षा करने में निहित है, सांस्कृतिक/सार्वजनिक जीवन में धार्मिक अधिकार का विस्तार करने की एक बोली।
    - **सांप्रदायिकता:** बाहरी खतरे के रूप में माने जाने वाले के खिलाफ समूह जुटाने का एक आदर्श मामला, नागरिक पहचान पर धार्मिक को प्राथमिकता देना।
    - **बहुलवाद और सहिष्णुता:** एक बहुल समाज में सहनशीलता की सीमाओं का परीक्षण—सह-अस्तित्व के लिए नहीं बल्कि मतभेदी आवाज़ों को दबाने की मांग।
4. **आधुनिक समाज में सामाजिक परिवर्तन**
    - **शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन:** उर्दू अकादमी, एक सांस्कृतिक/शैक्षिक निकाय, राजनीतिक-सांप्रदायिक संघर्ष का एक अखाड़ा बन जाता है → यह दिखाता है कि संस्थाएं तटस्थ नहीं हैं।
    - **मीडिया और सामाजिक परिवर्तन:** मीडिया रिपोर्टिंग ने तनावों को बढ़ा दिया, जबकि विरोधों ने सौदेबाजी की शक्ति के रूप में अशांति की धमकी का लाभ उठाया।

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS OUR COMMITMENT"

पेपर 2: भारतीय समाज और संस्थाएं

1. **भारत में आधुनिकता और सामाजिक परिवर्तन**
    - **लागू सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य:** कार्यवाद, संघर्ष, प्रतीकात्मक अंत:क्रियावाद बताते हैं कि आधुनिक लोकतांत्रिक भारत धर्मनिरपेक्ष आदर्शों और धार्मिक पहचानों के बीच विरोधाभासों का प्रबंधन कैसे करता है।
    - **लोकतंत्र और संस्थाएं:** राज्य संस्थाएं (जैसे उर्दू अकादमी, सरकारी तंत्र) दबाव में उदार अधिकारों की रक्षा करने में नाजुकता प्रकट करती हैं।
    - **राजनीतिक दल और दबाव समूह:** दर्शाता है कि गैर-राज्य अभिनेता चुनावी राजनीति को कैसे प्रभावित करते हैं, राज्य की प्रतिक्रियाओं को आकार देते हैं।
2. **भारतीय धर्मनिरपेक्षता**
    - **सिद्धांतित दूरी (भार्गव):** भारतीय धर्मनिरपेक्षता में धर्म के साथ सांदर्भिक बातचीत शामिल है, कठोर अलगाव नहीं।
    - **रद्द करना = राज्य का तटस्थता से दूर होकर तुष्टीकरण की राजनीति की ओर बढ़ना।**
3. **सांप्रदायिकता और पहचान की राजनीति**
    - दर्शाता है कि कैसे सांप्रदायिक संवेदनशीलताएं सार्वभौमिक अधिकारों पर प्राथमिकता ले लेती हैं।
    - **वोट-बैंक राजनीति:** राज्य अल्पकालिक शांति और चुनावी लाभ की तलाश करता है, धर्मनिरपेक्ष आदर्शों का बलिदान करता है।
4. **आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन**
    - **आंदोलनों के प्रकार:**
        - **मुक्ति संबंधी (Redemptive):** धार्मिक समूह नैतिक-सांस्कृतिक परिवर्तन चाहते हैं → विरोधियों को चुप कराना।
        - **सुधारवादी (Reformative):** एपीडीआर आंशिक सुधार चाहता है → राज्य नीति का संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता के साथ संरेखण।
    - **वैचारिक संघर्ष:** धर्मनिरपेक्ष उदारवाद बनाम धार्मिक रूढ़िवाद।
5. **नागरिक समाज और राज्य**

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

- **नागरिक समाज की भूमिका:** नागरिक समाज नागरिकों और राज्य के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है—सरकार पर संवैधानिक अधिकारों (एपीडीआर) को बनाए रखने या धार्मिक भावनाओं (जमीयत) की रक्षा करने के लिए दबाव डालता है, जिससे नीति का परिणाम आकार लेता है।

6. **सामाजिक परिवर्तन की चुनौतियाँ**
    - **संस्थागत व्यवस्था का संकट:** राज्य धर्मनिरपेक्ष जनादेश को बनाए रखने में असमर्थ/अनिच्छुक प्रतीत होता है → सिद्धांत पर शांति को प्राथमिकता देना।
    - **महिलाओं के खिलाफ हिंसा (तसलीमा नसरीन से लिंक):** एक व्यापक पैटर्न दिखाता है जहाँ विरोधी, अक्सर महिलाएं, निर्वासन, खतरों और दमन का सामना करती हैं।
    - **धार्मिक अल्पसंख्यकों की समस्याएं:** अल्पसंख्यक समुदायों के भीतर आंतरिक संघर्ष—उदार-प्रगतिशील आवाज़ों और रूढ़िवादी-पारंपरिक नेतृत्व के बीच।
7. **कानून, सामाजिक नियंत्रण और सामाजिक परिवर्तन**
    - **साधन के रूप में कानून:** रद्द करने का आदेश राजनीतिक समीचीनता को दर्शाता है, कानून का तटस्थ अनुप्रयोग नहीं।
    - **सामाजिक नियंत्रण:** अव्यवस्था को रोकने के रूप में उचित ठहराया गया, लेकिन अधिकारों में कटौती के रूप में माना जाता है।

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"